भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-99

उत्तर देने की तारीख-10/02/2025

नए केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय

†*99. **डॉ. कलानिधि वीरास्वामी:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश भर में नए केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय खोलने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तमिलनाडु सहित तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ग) ये नए विद्यालय किन राज्यों में स्थापित किए जा रहे हैं;

(घ) इन विद्यालयों का निर्माण पूरा होने और इनके कार्यशील होने की संभावित समय-सीमा क्या है;

(ङ) सरकार द्वारा इन नए विद्यालयों के लिए पर्याप्त बुनियादी ढांचे, शिक्षणकर्मियों और संसाधनों को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(च) इन नए विद्यालयों का शिक्षा प्रणाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की सुलभता पर क्या प्रभाव पड़ने की संभावना है?

उत्तर

शिक्षा मंत्री

(श्री धर्मेंद्र प्रधान)

(क) से (च) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

माननीय संसद सदस्य डॉ. कलानिधि वीरास्वामी द्वारा 'नए केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालय' के संबंध में दिनांक 10.02.2025 को पूछे जाने वाले लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 99 के भाग (क) से (च) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।

(क) से (ग): वर्तमान में, देश भर में 1253 केंद्रीय विद्यालय (केवि) और 653 नवोदय विद्यालय (एनवी) कार्यात्मक हैं। नए केवि और नवि खोलना एक सतत प्रक्रिया है।

केवि पूरे देश में शिक्षा का एक समान कार्यक्रम प्रदान करने हेतु मुख्य रूप से रक्षा और अर्ध-सैन्य कर्मियों, केंद्रीय स्वायत्त निकायों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थान (आईएचएल) सहित केंद्र सरकार के स्थानांतरणीय कर्मचारियों के बच्चों की शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केवि खोलने के प्रस्तावों को भारत सरकार के मंत्रालयों या विभागों/राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) प्रशासनों द्वारा प्रायोजित किया जाता है जिसमें मानदंडों के अनुसार एक नया केवि स्थापित करने के लिए भूमि और अस्थायी आवास सहित अपेक्षित संसाधनों को उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता शामिल रहती है। प्रस्ताव मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के अध्यधीन हैं। भारत सरकार ने हाल ही में देश भर में सिविल/रक्षा क्षेत्र के अंतर्गत 85 नए केन्द्रीय विद्यालय (केवि) खोलने और सभी कक्षाओं में 2 अतिरिक्त सेक्शन जोड़कर एक मौजूदा केवि यानी केवि शिवमोग्गा, जिला शिवमोग्गा, कर्नाटक का विस्तार को मंजूरी दी है जिसमे तमिलनाडु के 02 केवि (थेनी, जिला थेनी और पिल्लैयारपट्टी, जिला तंजावुर) भी शामिल हैं।.

नवोदय विद्यालय योजना में देश के प्रत्येक जिले में एक नवोदय विद्यालय खोलने की परिकल्पना की गई है। नवंबर 2016 में 62 नए नवोदय विद्यालयों को मंजूरी दिए जाने के साथ ही, इस योजना को स्वीकार करने वाले राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के सभी 638 जिले (दिनांक 31 मई, 2014 तक) 100% शहरी आबादी वाले 6 जिलों को छोड़कर, इस योजना के अंतर्गत शामिल किए गए हैं। तमिलनाडु राज्य ने अभी तक नवोदय विद्यालय योजना को स्वीकार नहीं किया है। नए नवोदय विद्यालयों को खोला जाना संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की स्थायी भवन के निर्माण के लिए अपेक्षित

उपयुक्त भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने तथा स्थायी भवन का निर्माण होने तक विद्यालय संचालित करने के लिए अपेक्षित अस्थायी भवन निःशुल्क उपलब्ध कराने की इच्छा पर निर्भर करता है। नए नवोदय विद्यालयों की स्वीकृति और उन्हें खोला जाना मौजूदा प्रक्रियाओं के अनुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने हाल ही में 28 नव निर्मित/बनाए गए जिलों में नए नवि को मंजूरी दी है।

(घ): केवि और नवि के लिए स्थायी भवनों का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है, जो उपयुक्त भूमि की पहचान, प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केविसं) और नवोदय विद्यालय समिति (नविस) के पक्ष में हस्तांतरण/पट्टा संबंधी औपचारिकताओं को पूरा करने, निर्माण एजेंसी द्वारा ड्राइंग/अनुमान प्रस्तुत करने, धन की उपलब्धता और अपेक्षित अनुमोदन आदि पर निर्भर करता है।

(ङ): समस्त नए केवि और नवि भवन केविसं और नविस मानदंडों के अनुसार सभी आवश्यक बुनियादी ढांचे जैसे कक्षा-कक्षों, पुस्तकालय, कंप्यूटर प्रयोगशाला, भौतिकी प्रयोगशाला, रसायन विज्ञान प्रयोगशाला, जीव विज्ञान प्रयोगशाला, गणित प्रयोगशाला, स्मार्ट कक्षाओं आदि से सुसज्जित हैं और छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए खेल सुविधाओं से परिपूर्ण है। इसके अतिरिक्त, नविस में छात्रावास, मेस, बहुउद्देशीय हॉल/केंद्रीय कवर्ड आंगन आदि मानदंडों के अनुसार उपलब्ध कराए जाते हैं। साथ ही, विद्यालय खुलने के बाद केविसं और नविस मानदंडों के अनुसार शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या को मंजूरी दी जाती है।

(च): इन 85 नए केन्द्रीय विद्यालयों की स्थापना तथा एक मौजूदा केन्द्रीय विद्यालय और 28 नए नवोदय विद्यालयों के विस्तार से इन केन्द्रीय विद्यालयों के लगभग 82560 विद्यार्थी तथा देश भर के नवोदय विद्यालयों के लगभग 15680 विद्यार्थी लाभान्वित होंगे, जिससे उन्हें किफायती और गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

*****